

INHALT

| | | |
|--|----------------|-----|
| Einführung | | 1 |
| | | |
| Texte | Abk. | |
| Codex Regius 2365 4to, Teil II. | | |
| <i>Zu den Stücken 1-3.</i> | | 10 |
| 1. Das Lied von Helgi Hundingstöter (I) | (HH I) | 11 |
| 2. Von Helgi Hjörvardssohn | (HHj./HHv.) | 21 |
| 3. Von Helgi Hundingstöter (II) | (HH II) | 30 |
| <i>Zu den Stücken 4.-5.</i> | | 42 |
| 4. Vom Tod des Sinfjötli | (Sinf.) | 43 |
| 5. Die Voraussagen des Grípir | (Grip.) | 44 |
| <i>Zu den Stücken 6.-8.</i> | | 52 |
| 6. Von Sigurd und Reginn | (Reg.) | 54 |
| 7. Von Sigurd und Fafnir | (Faf.) | 61 |
| 8. Von Sigurd und Sigdrifa | (Sigdr./Sdm.) | 69 |
| <i>Zu den Stücken 9.-13.</i> | | 77 |
| 9. Bruchstück eines Sigurdliedes (Brot) | (Brot) | 78 |
| 10. Vom Tode Sigurds | - | 82 |
| 11. Gudrun I : die Klagen der Frauen | (Gudr.I) | 83 |
| 12. Das kurze Sigurdlied | (Sig./Sig.sk.) | 88 |
| 13. Brynhilds Helfahrt | (Helr.) | 100 |
| <i>Zu den Stücken 14.-21.</i> | | 103 |
| 14. Erschlagung der Niflunger | - | 104 |
| 15. Gudrun II : Rückblick und Entscheidung | (Gudr.II) | 105 |
| 16. Gudrun III : das Gottesurteil | (Gudr.III) | 113 |
| 17. Oddruns Klage | (Odd.) | 115 |
| 18. Atlis Tod und das alte Atlilied | (Ak v.) | 121 |
| 19. Das grönländische Atlilied | (Atm.) | 129 |
| 20. Gudrun IV : von Gudrun und Gudruns Racheforderung (Ghv.) | | 146 |
| 21. Das alte Hamdirlied | (Hamd.) | 150 |
| <i>Aus anderen Handschriften</i> | | 155 |
| 22. Die Eiríksmál | (Eirm.) | 156 |
| 23. Die Strophen des Hunnenschlachtliedes | (Hunn.) | 159 |
| | | |
| Kommentar | | |
| Zur Aussprache altisländischer Quellen und Zitate | | 169 |
| Kommentare zu 1.-21. und 22.-23. | | 170 |
| | | |
| Anhang | | |
| Die Titel und Zwischentitel der Handschrift in roter Tinte | | 275 |
| Textausgaben und Literatur | | 276 |
| Wort- und Sacherläuterungen | | 284 |
| Abkürzungen | | 291 |